



e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJRSET

International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 11, Issue 11, November 2022

ISSN INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA

Impact Factor: 8.118

9940 572 462

6381 907 438

ijirset@gmail.com

www.ijirset.com



अटल टिकरिंग लैब की समस्याएँ

¹Pooja Agarwal & ²Dr. Alpa Nagar

¹Research Scholar, Dept. of Education, Rajasthan University, & Assistant Professor, Vaidik PG College,
Jaipur, Rajasthan, India

²Assistant Professor (Research Guide), Shri Agrasen PG Education College, Jamdoli, Jaipur,
Rajasthan, India

सार

नीति आयोग द्वारा 15 दिसंबर को अटल टिकरिंग प्रयोगशाला के समुदायिक दिवस (Atal Tinkering Lab's Community Day) के रूप में मनाया गया। यह दिवस सामुदायिक अभियान पहल के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें 25 युवा सलाहकारों द्वारा 200 से अधिक ऐसे छात्रों के साथ बातचीत की गई, जो औपचारिक शिक्षा प्रणाली में नामांकित नहीं हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये इसमें प्रतिभागी गैर-सरकारी संगठनों के दिव्यांग बच्चों, असहाय और काम करने वाले बच्चों तथा समाज के कमज़ोर वर्ग की लड़कियों के साथ कार्य करने वाले संगठनों को शामिल किया गया। अटल टिकरिंग प्रयोगशाला समुदायिक अभियान पहल का उद्देश्य समुदाय के ऐसे बच्चों तक नवाचार फैलाकर अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं के प्रभाव को बढ़ाना है, जो औपचारिक शिक्षण संस्थानों से संबद्ध नहीं हैं। इस पहल का ध्येय इन बच्चों को समस्या का समाधान करने योग्य बनाने के लिये अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं के छात्रों के समान ही शैक्षिक उपकरण उपलब्ध कराना है। नीति आयोग ने अपने प्रमुख कार्यक्रम अटल इनोवेशन मिशन (Atal innovation Mission) के हिस्से के रूप में अटल टिकरिंग प्रयोगशाला (Atal Tinkering Lab) नामक पहल की शुरुआत की है। माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिये नीति आयोग ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूलों में प्रयोगशालाएँ स्थापित करने की योजना बनाई है। अटल टिकरिंग प्रयोगशाला की स्थापना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ऐसा कौशल प्रदान करना और उन्हें उस प्रौद्योगिकी तक पहुँच प्रदान करना है जो उन्हें समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनाएगी। इन प्रयोगशालाओं का लक्ष्य 500 समुदायों और स्कूलों में 250,000 युवाओं को भविष्य के लिए अभिनव कौशल प्रदान करना है। युवाओं द्वारा तैयार की गई परियोजनाओं में गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिये परामर्शदाताओं के क्षमता निर्माण और मेकर इकोसिस्टम के साथ संपर्क कायम करने, अवधारणा तैयार करने, डिज़ाइन के बारे में चिंतन करने और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के माध्यम से कार्यशालाएँ आयोजित करने में इंटेल की ओर से नीति आयोग को सहायता मिलेगी। नीति आयोग के अनुसार यदि भारत को अगले तीन दशकों में निरंतर 9 से 10 प्रतिशत विकास दर कायम रखना है तो यह अत्यंत आवश्यक होगा कि देश समस्याओं के लिये अभिनव समाधान के उपाय करने में सक्षम हो। नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन, विशेषकर अटल टिकरिंग प्रयोगशाला के बल पर लाखों की संख्या में बाल अन्वेषकों को तैयार करने में मदद मिलेगी, जो युवा उद्यमियों के रूप में विकसित होंगे और भारत का अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित हो सकेगा। अटल टिकरिंग प्रयोगशाला देश भर में स्कूलों में स्थापित की जाएगी। इंटेल टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस कार्य में तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है।

परिचय

इन प्रयोगशालाओं में उपकरणों के प्रकार, सफल संकेतकों और विभिन्न समुदाय के साथ जुड़ाव पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त सभी स्कूलों में अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं को पूरी तरह से छात्र केंद्रित बनाए जाने पर बल दिया जाना चाहिये। इनमें स्कूल स्तर पर शिक्षकों, अभिभावकों, निर्माताओं और निजी संगठनों जैसे सभी हितधारकों की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी, ताकि इस पहल को सफल बनाया जा सके। इसके तहत सरकारी स्कूलों में भी आधुनिक तकनीकी से युक्त हाई-फाई अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिये केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन तथा नीति आयोग की ओर से बजट की भी व्यवस्था की गई है। इस योजना के तहत सीबीएसई के 500 स्कूलों में लैब स्थापित की जानी हैं। लैब बनाने से लेकर उसके संचालन के लिये 20 लाख रुपए दिये जाएंगे। स्कूल में लैब की स्थापना के लिये 10 लाख रुपए दिये जाएंगे। पाँच वर्ष तक लैब के रखरखाव और संचालन के लिये भी 10 लाख रुपए दिये जाएंगे। सीबीएसई की ओर से संचालित सरकारी विद्यालयों में 25 प्रतिशत प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएंगी। इसमें विद्यार्थियों को साइंस, टेक्नोलॉजी,



इंजीनियरिंग एंड मैथमैटिक्स (एसटीईएम) की मूलभूत अवधारण को समझने में आसानी होगी। इसके तहत देश के 10 लाख विद्यार्थियों को जोड़ने की योजना है। कक्षा छह से आठ तक के स्कूलों में लैब की स्थापना की जाएगी। अटल टिकरिंग लैब क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ, प्रदर्शनी, वर्कशॉप आदि का भी आयोजन कराएगी। आत्म-रोज़गार और प्रतिभा उपयोग (Self-Employment and Talent Utilization - SETU) समेत अटल नवाचार मिशन (Atal Innovation Mission - AIM) नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देने के संदर्भ में भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसका उद्देश्य विश्व स्तर के नवाचार केंद्र, वृहद चुनौतियों, स्टार्ट-अप व्यवसायों और अन्य स्व-रोज़गार गतिविधियों (विशेषकर प्रौद्योगिकी आधारित क्षेत्रों में) को बढ़ावा देने के लिये एक मंच के रूप में सेवा प्रदान करना है। अटल इनोवेशन मिशन के अंतर्गत दो मुख्य पक्षों पर ध्यान केंद्रित किया गया है – [1]

⇒ स्व-रोज़गार और प्रतिभा उपयोग के माध्यम से उद्यमिता प्रोत्तति (Entrepreneurship promotion), जिसमें नव-प्रवर्तनकर्ताओं को सफल उद्यमी बनने के लिये आवश्यक समर्थन और सलाह दी जाती है

⇒ अभिनव प्रोत्तति (Innovation promotion), यह एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहाँ अभिनव विचार उत्पन्न होते हैं। अटल इनोवेशन मिशन के तहत गुना जिले के पांच सरकारी स्कूलों में अटल टिकरिंग लैब हैं। इनके जरिए स्टूडेंट अपने आइडिया के जरिए तरह-तरह के मॉडल बना रहे हैं। खास बात यह है कि लैब में स्टूडेंट को उसके आइडिया का वर्चुअल रूप बनाने के लिए सब कुछ मौजूद है। स्टूडेंट में वैज्ञानिक सोच पैदा करने तथा उसकी सोच को मॉडल में तब्दील कराने के लिए यहां मेंटर के रूप में फिरोज खान पदस्थ हैं। जिनके मार्गदर्शन में युवा वैज्ञानिक तैयार हो रहे हैं।

प्रतिवर्ष 10 नवंबर को मनाए जाने वाले विश्व विज्ञान दिवस को लेकर पत्रिका टीम युवा वैज्ञानिक खोजने शहर के कोतवाली रोड स्थित महारानी लक्ष्मीबाई हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंची। यहां स्थापित अटल टिकरिंग लैब में स्टूडेंट द्वारा बनाए गए कई मॉडल देखे। इनमें हर मॉडल अपनी विशेषता की वजह से सर्वश्रेष्ठ लग रहा था। लेकिन मॉडल की उपयोगिता और विशेषता जानने हमने उन्हीं स्टूडेंट से बात की।

ब्लाइंड व्यक्ति को दुर्घटना से बचाना। यह स्मार्ट स्टिक ब्लाइंड व्यक्ति को करीब तीन फुट दूरी से पहले ही अलार्म के जरिए अलर्ट कर देती है। इससे पता चल जाता है कि मार्ग में आगे कुछ न कुछ है। अलार्म बजते ही व्यक्ति वहीं रुक जाएगा। वह किसी खंभे या वस्तु से टकराएगा भी नहीं। खास बात यह है कि स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक की सोच कक्षा 10 की छात्रा सुहानी की है। लेकिन इस मॉडल को तैयार करने में मीनू जाटव और शिखा ने विशेष सहयोग किया है। उनके इस मॉडल को एमएलबी स्कूल के सभी छात्राओं और टीचर ने पसंद किया है। इसका महत्वपूर्ण काम इन्फेक्शन से बचाव करना है। स्मार्ट डस्टबिन तैयार करने वाली छात्रा साक्षी और सेजल ने बताया कि इस आइडिया की उपज कोरोना काल में आई। क्योंकि इस दौरान इन्फेक्शन का खतरा बहुत ज्यादा था। कोई भी व्यक्ति हर चीज को छूने से डरता था। खासकर ऐसी वस्तु जिससे इन्फेक्शन फैलने का खतरा ज्यादा था। इनमें से एक है हर घर में मौजूद डस्टबिन। इसीलिए उन्होंने सेंसर युक्त ऐसी डस्टबिन तैयार की, जिसके पास जाते ही उसका ढक्कन अपने आप खुल जाता है। यह स्मार्ट डस्टबिन घर के अलावा अस्पतालों में बहुत अधिक कारगर साबित हो सकती है। अटल टिकरिंग लैब भारत सरकार द्वारा देश की शिक्षा व्यवस्था में पैराडाइम शिफ्ट लाने के मकसद से लांच की गई थी। स्टूडेंट्स के बीच इनोवेशन, क्रिएटिविटी और वैज्ञानिक पहलुओं को बढ़ावा देना इसका मुख्य मकसद है। मशीन लर्निंग, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे उभरते नए तकनीकों से युवा पीढ़ी को स्कूलों में ही परिचित करवाना जरूरी है। इस काम में अटल टिकरिंग लैब महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस सहयोग के जरिए इसरो विद्यार्थियों को अंतरिक्ष समेत अन्य 21वीं शताब्दी की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की कोचिंग देने से लेकर मार्गदर्शन तक मुहैया कराने का काम करेगा। अटल नवाचार मिशन और नीति आयोग ने देश भर में अब तक 7,000 से ज्यादा अटल टिकरिंग लैब्स (एटीएल) स्थापित किए हैं। इसकी मदद से छठी कक्षा से 12वीं कक्षा के करीब 30 लाख विद्यार्थी नवोन्मेषी और समस्याओं के समाधान की क्षमता वाली सोच हासिल कर रहे हैं। पिछले कुछ दशकों से, हमारी शिक्षा प्रणाली में एक बदलाव देखा गया है। आज, वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में कार्यप्रणाली पर हाथ उठाने के इस दृष्टिकोण के साथ हमने समय की आवश्यकता को हल किया है। एटीएल लैब छात्रों को 21 वीं सदी के आवश्यक कौशल सिखाएगा जो उन्हें अपने पेशेवर और व्यक्तिगत कौशल विकसित करने में मदद करेगा। कुशल भारत समय की जरूरत है और इस सपने को पूरा करने के लिए प्रत्येक कदम का स्वागत किया जाना चाहिए और हमें एक बेहतर भारत के लिए मिलकर काम करना चाहिए। वर्तमान में स्कूल में अटल टिकरिंग लैब्स नहीं है। हम आगामी सत्र में इसे लागू करने की योजना बनाएंगे। अटल टिकरिंग प्रयोगशाला समुदायिक अभियान पहल का उद्देश्य ऐसे बच्चों तक नवाचार फैलाकर अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं के प्रभाव को बढ़ाना है, जो औपचारिक शिक्षण संस्थानों से संबद्ध नहीं हैं। इस पहल का ध्येय इन बच्चों को समस्या का समाधान करने योग्य बनाने के लिये अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं के छात्रों के समान ही शैक्षिक उपकरण उपलब्ध कराना है।



विचार-विमर्श

शिक्षा सत्र 2020-21 में प्रदेश के 201 स्कूलों में और रायपुर जिले के 20 स्कूलों में लैब का निर्माण होना था। निजी स्कूलों को छोड़ दे तो जिले के शासकीय स्कूलों में शत प्रतिशत अभी तक “अटल टिकरिंग लैब” का निर्माण नहीं हो पाया है। कहीं पर कमरों की कमी है और कहीं पर सामान नहीं पहुंचा है। वहीं राजधानी के स्कूलों में बने लैब अब तक अधूरे बने हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी लैब का जल्द निर्माण कराने और शिक्षक को पदस्थ करके छात्रों को वैज्ञानिक प्रयोग सिखाने का दावा कर रहे हैं। अब बात यह आती है कि प्लान चार्ट के अनुसार जब लैब की संख्या को सुनिश्चित नहीं कर पाए और जो लैब बने हैं उनको दुरुस्त नहीं कर पाए तो यहां के बच्चे भावी वैज्ञानिक कैसे बन पाएंगे। [2]

राजधानी में भले ही स्कूल प्रबंधन की अनदेखी और लापरवाही से अटल टिकरिंग लैब और भावी भविष्य पिछड़ रहा हो। मगर प्रदेश में कुछ ऐसे भी स्कूल हैं जिन्होंने देशभर में इस इन्वैशन साझेदारी में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। बिलासपुर का सरकारी स्कूल लगातार 3 वर्षों से पूरे देश में नंबर वन पोजीशन बनाए हुए है। यहां के छात्रों के इन्वैटिव आइडियाज को देशभर ने सराहा है। इतना ही नहीं वर्ष 2018 में बिलासपुर के छात्रों ने दुबई में आयोजित प्रतियोगिता में भी अपने आइडियाज को प्रजेंट किया था। वहीं धमतरी जिले के शिव सिंह वर्मा शासकीय आदर्श स्कूल की अटल टिकरिंग लैब को नीति आयोग दिल्ली ने सबसे एक्टिव लैब घोषित किया है। इसका चयन इन्वैशन के लिए किया गया। इन्वैशन के लिए एटीएल लैब को 2 लाख का फंड मिला है। अब इसे ई-कामर्स से जाड़ा गया है। स्कूल में थ्री-डी प्रिंटर से बनने वाले प्रोजेक्ट व उत्पाद को पोर्टल पर लोग देख सकेंगे। सामान के ऑर्डर भी लिए जाएंगे, साथ ही इसकी ऑनलाइन बिक्री भी होगी। छात्र-छात्राएं नई-नई तकनीक का उपयोग कर थ्रीडी-प्रिंटर से अलग अलग सामान बना रहे हैं। ऑर्डर मिलने पर बेचा जाएगा। नीति आयोग ने अटल टिकरिंग लैब्स योजना के विजेताओं को काफी तेजी से शॉर्टलिस्ट करने और अंतिम रूप देने का उल्लेखनीय काम किया है। यह वाकई काबिले तारीफ है। हालांकि, कार्यान्वयन की उन चुनौतियों के कारण उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने की इस शानदार पहल का वास्तविक जोखिम है, जिसकी कल्पना नहीं की गई है। विमुद्रीकरण की पहल के समान जो सिद्धांत और अवधारणा में सही थी लेकिन निष्पादन में दोषपूर्ण थी, एटीएल भी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा कार्यान्वयन के प्रयासों को प्रभावित करने का जोखिम उठाती है।

परिणाम

#1 - पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित और जानकार शिक्षकों के बिना सिर्फ एक टिकरिंग लैब होने के परिणामस्वरूप खराब कार्यान्वयन होगा। आइए Arduino/Intel Galileo बोर्डों का उदाहरण लेते हैं जिन्हें ATL टीम द्वारा टिकरिंग लैब के लिए कुछ घटकों/किट के रूप में सुझाया गया था। कितने स्कूल शिक्षक अरुडिनो/एडिसन से परिचित हैं और बेहतर अभी भी उनमें से कितने स्कूल के छात्रों को पढ़ाने के लिए इस तकनीक पर पर्याप्त धाराप्रवाह हैं। टिकरिंग लैब अवधारणाओं पर स्कूल के शिक्षकों को कौन प्रशिक्षित करेगा?

#2 - टिकरिंग लैब में वास्तव में क्या जाता है? इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि टिकरिंग लैब में क्या नहीं जा सकता है? अनुदान अभी भी सार्वजनिक धन है और दिन के अंत में, अच्छे निर्णयों के लिए स्कूलों और नीति आयोग को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। लेकिन कौन तय करता है कि टिकरिंग लैब के लिए क्या उचित है और क्या उचित नहीं है? कितने स्कूलों के पास असली टिकरिंग लैब को काम करते हुए देखने का वास्तविक अनुभव है? यदि नहीं, तो उन्हें यह निर्णय कैसे सौंपा जा सकता है? स्कूलों का मार्गदर्शन कौन करेगा?

#3 - सीखने के परिणाम - केवल हार्डवेयर और किट के बिना एक संरचित (भले ही शिथिल संरचित हो) पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की ओर नहीं ले जाएगा। वास्तव में, सीखने के परिणाम पहली बार में टिकरिंग लैब में जाते हैं। पाठ्यक्रम रोड मैप बनाने के लिए नीति आयोग की क्या योजना है?

जब तक हम इन सवालों का पर्याप्त जवाब नहीं दे पाते, तब तक यह महान पहल एक और सरकारी योजना बन सकती है, जो अवधारणा में शानदार लेकिन क्रियान्वयन में भयानक है। शैतान, आखिरकार, विवरण में है।



अटल टिकरिंग लैब्स खबरों में क्यों हैं. (नवीनतम)

- 9 अप्रैल, 2021 को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) ने छात्रों के बीच वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से देश भर में 295 अटल टिकरिंग लैब्स (ATL) को अपनाने का निर्णय लिया। सीएसआईआर के शीर्ष शोधार्थी और वैज्ञानिक इन एटीएल में छात्रों को सलाह देंगे और संसाधन व्यक्तियों के रूप में कार्य करेंगे।
- 11 जनवरी, 2021 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM), अंतरिक्ष शिक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 100 अटल टिकरिंग लैब्स को अपनाने का निर्णय लिया है- स्कूली छात्रों के लिए संबंधित नवाचार।

अंतरिक्ष विभाग (डीओएस), अटल इनोवेशन मिशन और नीति आयोग पहले चरण में 45 अटल टिकरिंग लैब्स को गोद लेंगे और फिर 55 अन्य को इसरो द्वारा अपनाया जाएगा।

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। नीति आयोग के तहत AIM की परिकल्पना एक छत्र नवाचार संगठन के रूप में की गई है, जो विभिन्न स्तरों - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, में नवाचार और उद्यमिता के एक पारिस्थितिकी तंत्र के प्रचार को प्रोत्साहित करके केंद्रीय, राज्य और क्षेत्रीय मंत्रालयों के बीच नवाचार नीतियों के संरेखण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। [3] सार्वजनिक-निजी भागीदारी द्वारा उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, और SME/MSME उद्योग, कॉर्पोरेट और सरकार के मंत्रिस्तरीय स्तर। अटल इनोवेशन मिशन के घटक नीचे दिए गए हैं:

1. अटल टिकरिंग लैब्स
2. अटल इन्क्यूबेशन सेंटर
3. अटल न्यू इंडिया चैलेंज
4. मेंटर ऑफ चेंज प्रोग्राम
5. अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर
6. छोटे उद्यमों के लिए अटल अनुसंधान एवं नवाचार (ARISE)

निष्कर्ष

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) नीति आयोग ने आज - 'इनोवेशन्स फॉर यू' का दूसरा संस्करण जारी किया- एआईएम के अटल इन्क्यूबेशन सेंटर (एआईसी) द्वारा समर्थित 70 स्टार्टअप्स की विशेषता वाले कृषि पर केंद्रित नवाचारों का संग्रह और 'द इन्जेनियर्स टिकरर्स' - एक संग्रह भारत के अटल टिकरिंग लैब (ATL) से 41 नवाचारों की विशेषता वाली प्रौद्योगिकी पर नवाचारों पर।

जैसा कि देश आजादी के 75 वें वर्ष में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, दोनों पुस्तकें भारत के युवा अन्वेषकों की सफलता की कहानियों का उत्सव हैं। 'इनोवेशन फॉर यू' भारत के उद्यमशील दिमागों द्वारा भविष्य के लिए वर्तमान की समस्याओं को हल करने वाले सफल नवाचारों का संकलन है, जबकि 'द इन्जेनियर्स टिकरर्स' एटीएल मैराथन में भाग लेने वाले युवा छात्र इनोवेटर्स द्वारा बनाए गए शीर्ष नवाचारों का संकलन है। - जो स्कूली छात्रों को एक समस्या का समाधान करने के लिए आमंत्रित करता है जिसे वे दिन-प्रतिदिन देखते या सामना करते हैं।

'द इन्जेनियर्स टिकरर्स' ने समाधान तैयार करने के लिए एटीएल में उपलब्ध उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाया। इन युवा टिकरर्स ने अपने समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करके और उनकी जरूरतों और मांगों के अनुरूप एक प्रोटोटाइप डिजाइन करके अपनी समस्या बयानों की पहचान करने के लिए खुद को लिया। अपने समुदाय में बदलाव लाने के उनके दृढ़ संकल्प ने एटीएल मैराथन 2019 के लिए भारत के शीर्ष 41 नवाचारों तक पहुंचने के लिए उनके नवाचार का मार्ग प्रशस्त किया है।

इस बीच, 'इनोवेशन्स फॉर यू' के दूसरे संस्करण में कृषि और संबद्ध सेवाओं के क्षेत्र में स्टार्टअप और नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पुस्तक 70 एजी-टेक स्टार्टअप का संकलन है, जो देश भर में फैले अटल इन्क्यूबेशन केंद्रों में विकसित हुए हैं। ये स्टार्टअप आधुनिक खेती की समस्याओं के सामाजिक रूप से प्रासंगिक समाधान प्रदान करने के लिए एआई, आईओटी, आईसीटी और अन्य जैसी अग्रणी तकनीकों का लाभ उठा रहे हैं। इस पुस्तक का पहला संस्करण स्वास्थ्य देखभाल में नवाचारों पर केंद्रित था, जिसे इस वर्ष अक्टूबर में लॉन्च किया गया था।



नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, नीति आयोग के कृषि सदस्य प्रो. रमेश चंद, MyGov के सीईओ श्री अभिषेक सिंह और मिशन निदेशक डॉ. चिंतन वैष्णव की उपस्थिति में आज डिजी-बुक्स का अनावरण किया गया। , अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग।

नीति आयोग के वाइस चेयरमैन ने यह कहते हुए टिकरर्स और एंटरप्रेन्योर्स दोनों की सराहना की- "पहले से कहीं ज्यादा, आज हमें और अधिक टिकरर्स और इनोवेटर्स की जरूरत है, जो समस्याओं को समझ सकें और एक समाधान दे सकें जो भारतीय समाज के अनुकूल हो"

उपाध्यक्ष के अलावा कृषि सदस्य प्रो रमेश चंद ने एआईएम टीम को बधाई दी और पुस्तकों के संकलन में किए गए प्रयासों की सराहना की। आगे उन्होंने कहा, "यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि एग्री-टेक डोमेन में कई स्टार्टअप उभरते बाजारों तक पहुंचने में सक्षम हैं और बड़े पैमाने पर समाज का समर्थन करने की दृष्टि के अलावा संस्थागत निवेश और अन्य हितधारकों को आकर्षित कर रहे हैं।"

मिशन निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन डॉ. चिंतन वैष्णव ने दोनों पुस्तकों में छपे उद्यमियों और युवा टिकरर्स को बधाई दी और कहा, "मुझे उम्मीद है कि हर इनोवेशन के पीछे की कहानियां और विचार देश भर के लाखों अन्य स्टार्टअप, इनोवेटर्स और युवा टिकरर्स को प्रेरित करते हैं। न केवल हमारे देश बल्कि दुनिया के लिए सामाजिक-आर्थिक प्रभाव के साथ नए, आशाजनक और स्थायी समाधान तैयार करें।

MyGov के सीईओ, अभिषेक सिंह ने कहा, "संग्रह में शामिल जमीनी नवाचारों को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई है और यह हमारे युवा इनोवेटर्स के सोचने के तरीके का एक स्लैपशॉट है। मैं इस तरह के शानदार विचारों की कल्पना करने के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूं और इतनी रचनात्मकता और उद्यम के साथ नवाचारों को विकसित करना। मुझे यकीन है कि ये विचार भारत और दुनिया के पहले से विकसित बाजार में एक बड़ा अंतर लाने जा रहे हैं। विशेष रूप से प्रदर्शित नवप्रवर्तक भारत के सभी नवोदित नवप्रवर्तकों के लिए रोल मॉडल हैं और उन्हें प्रेरित करेंगे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के लिए एक बड़ा प्रभाव बनाने के लिए उनके विचारों को विकसित करने के लिए।

डिजी-पुस्तक श्रृंखला - अटल इनोवेशन मिशन द्वारा आपके लिए नवाचार आपके लिए अटल इनक्यूबेशन केंद्रों द्वारा समर्थित स्टार्टअप्स से सर्वश्रेष्ठ नवाचारों और उद्यमियों को लाता है। श्रृंखला के बाद के संस्करण अन्य उभरते क्षेत्रों जैसे कि एडुटेक, मोबिलिटी, ईवी सहित अन्य पर ध्यान केंद्रित करेंगे। 'द इनजेनियर्स टिकरर्स' सीरीज़ उन कहानियों को कैप्चर करती है जो युवा इनोवेटर्स के विकास और मानसिकता को प्रदर्शित करती हैं और उन छात्रों को मनाने और बढ़ावा देने का एक प्रयास है, जिन्होंने अटल टिकरिंग लैब की राष्ट्रव्यापी नवाचार चुनौती एटीएल मैराथन में उनके सामने रखी गई समस्याओं के लिए अनुकरणीय समाधान प्रस्तुत किए।[4] .

संदर्भ

1. The Atal Tinkering Lab Handbook
2. Atal Tinkering Labs in the country
3. <https://youtu.be/yKNH2PJ2I30>
4. <https://aim.gov.in/atl.php>



INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor: 8.118



ISSN INTERNATIONAL
STANDARD
SERIAL
NUMBER
INDIA



INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

 **9940 572 462**  **6381 907 438**  **ijirset@gmail.com**



www.ijirset.com

Scan to save the contact details